नवभारत टाइम्स

स्वामी अग्निवेश ने PM मोदी और संघ प्रमुख को दी हिन्दू धर्म के विषय पर शास्त्रार्थ की चुनौती

नवभारत टाइम्स| Sep 20, 2018, 08.14 PM IST

स्वामी अग्निवेश (फाइल फोटो)

विकास पाठक, वाराणसी

बंधुआ मजदूरों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश ने गुरुवार को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत पर जमकर हमला बोला। एक कार्यक्रम के सिलसिले में वाराणसी आए स्वामी अग्निवेश ने मॉब लिचिंग की घटनाओं के लिए बीजेपी और संघ को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, हिन्दू धर्म और अन्य मुद्दों पर विद्वानों की नगरी काशी में बहस (शास्त्रार्थ) की चुनौती भी दी।

विश्व शांति दिवस की पूर्व संध्या पर मानवाधिकार जगनिगरानी समिति की ओर से आयोजित 'आशा सम्मान' समारोह में शामिल होने के लिए वाराणसी पहुंचे स्वामी अग्निवेश यहां मीडिया से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मॉब लिचिंग की वारदातों पर मोहन भागवत की चुप्पी ने यह साबित कर दिया है कि यह सब बीजेपी और आरएसएस के लोग ही करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज में समरसता की जगह दुश्मनी के बीज पनप रहे हैं। आज पूरा देश जाति, हिंसा और सांप्रदायिकता से जूझ रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास' देश में कहीं नहीं दिख रहा और सरकार द्वारा केवल झूठ को फैलाया जा रहा है।

'अमीरों का खजाना बढ़ाने पर केंद्रित हैं नीतियां'

स्वामी अग्निवेश ने कहा कि दिल्ली में मोहन भागवत भारत के भविष्य पर परिचर्चा कर रहे हैं। भारत का भविष्य क्या है, यह सवाल मैं नहीं देश पूछ रहा है। विचार युवाओं को रोजगार ना मिलने और किसानों के आत्महत्या करने के कारणों पर होना चाहिए। राफेल मामले में कांग्रेस का पक्ष लेते हुए स्वामी अग्निवेश ने कहा कि मोदी सरकार का सारा कामकाज अमीरों का खजाना बढ़ाने पर केंद्रित है। इसके अलावा अग्निवेश ने भारतीय सैनिकों के साथ पाक की बर्बरता पर भी मोदी सरकार को निशाने पर लिया।

'महागठबंधन का समर्थन भी किया'

मोदी सरकार पर हमलावर अंदाज में स्वामी अग्निवेश ने महागठबंधन बनाए जाने का समर्थन किया। समर्थन करते हुए अग्निवेश ने कहा कि मौजूदा सरकार को बदलने के लिए गठबंधन जरूरी है। अखिलेश यादव, मायावती और राहुल गांधी का प्रयास सफल होगा। महागठबंधन को लेकर अभी पेच फंसता नजर आ रहा है, लेकिन चुनाव आते-आते सब कुछ ठीक हो जाएगा।